UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Polity & Governance · GS - II

भारत में मतदाता सूची के
प्रबंधन और फर्जी मतदान रोकने
में AI तथा डिजिटल प्रौद्योगिकी
की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
इसकी प्रमुख सीमाओं और आवश्यक
सुरक्षा उपायों पर चर्चा
कीजिए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 29/10/2026

PAPER

GS - II

SUBJECT

Polity & Governance

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint

ERONET और डिजिटल मतदाता सूची ; AI-आधारित डुप्लिकेट पहचान ;
चुनावी पारदर्शिता ; डेटा सुरक्षा ; मानवीय सत्यापन ; निर्वाचन
आयोग की जवाबदेही

Model Answer

भूमिका

भारत में फोटो मतदाता पहचान -पत्र, डिजिटल मतदाता सूची और ERONET जैसे
प्लेटफॉर्म ने निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं के प्रबंधन को अधिक
व्यवस्थित बनाया है। AI आधारित विश्लेषण संभावित डुप्लिकेट
प्रविष्टियों और असामान्य डेटा पैटर्न की पहचान में सहायता कर
सकता है।

प्रौद्योगिकी की भूमिका

1. मतदाता सूची की शुद्धता : डिजिटल डेटाबेस संभावित दोहरी
प्रविष्टियों की पहचान और रिकॉर्ड के अद्यतन में मदद करते हैं।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

2. प्रशासनिक दक्षता : स्वचालित डेटा
विश्लेषण से संदिग्ध रिकॉर्ड की जाँच
प्राथमिकता के आधार पर की जा सकती है।

3. पारदर्शिता : डिजिटल रिकॉर्ड और स्पष्ट
सत्यापन प्रक्रियाएँ शिकायतों के
निस्तारण तथा जवाबदेही को बेहतर बना सकती
हैं।

प्रमुख सीमाएँ

AI गलत मिलान कर सकता है, जिससे वास्तविक
मतदाताओं को अनावश्यक परेशानी हो सकती है।
डेटा गोपनीयता , साइबर सुरक्षा , एल्गोरिदम
में पक्षपात और डिजिटल प्रणालियों पर
अत्यधिक निर्भरता भी चुनौतियाँ हैं।
मतदाता सूची में डुप्लिकेट प्रविष्टि
मिलना अपने -आप फर्जी मतदान का प्रमाण नहीं
है।

आगे की राह

निर्वाचन आयोग को मानवीय सत्यापन , सुरक्षित
डेटा प्रबंधन , नियमित ऑडिट, प्रभावी शिकायत
निवारण और निर्णयों के विरुद्ध अपील की
व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

निष्कर्ष

प्रौद्योगिकी चुनावी अखंडता को मजबूत कर
सकती है, लेकिन स्वतंत्र सत्यापन , कानूनी
सुरक्षा और जवाबदेह प्रशासन के साथ ही इसका
प्रभावी उपयोग संभव है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias